Timax

अलंकार

NEP 2020
ENHANCED EDITION

हिंदी व्याकरण

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

3

अलंकार हिंदी व्याकरण -3

पृष्ठ संख्या 8 और 9

1. (क) सांकेतिक (ख) देवनागरी (ग) लिपि (घ) मराठी
2. (क) अपने भावों व विचारों को स्पष्ट करने के साधन को भाषा कहते हैं।
   (ख) भाषा को लिखने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं।
   (ग) भाषा के शुद्ध रूप को जाने के लिए हम व्याकरण पढ़ते हैं।
   (घ) जब हम बोलकर बात को समझाते हैं और सुनकर दूसरे उसे समझते हैं, यह मौखिक भाषा है। तथा जब हम लिखिकर अपनी बात कहते हैं तथा पढ़कर दूसरे समझते हैं उसे लिखित भाषा कहते हैं। दोनों में यही अंतर है।
3. (क) मौखिक (ख) सांकेतिक (ग) लिखित

करें और सीखें

संस्कृत	कश्मीरी	उड़िया	गुजराती	बंगाली
तमिल	पंजाबी	तेलुगू	असमिया	मराठी

पृष्ठ संख्या 15

1. (क) ऑ (ख) : (ग) पाँचवाँ
2. (क) वह छोटी से छोटी ध्वनि, जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते, उसे वर्ण कहते हैं।
   (ख) ऐसे वर्ण जिनके बिना कोई भी व्यंजन नहीं बोला जा सकता, उसे स्वर करते हैं और व्यंजन ऐसे वर्ण हैं जिनके उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है।
   (ग) संयुक्ताक्षर का पहला अक्षर स्वर-सहित और दूसरा स्वर-युक्त होता है।
3. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗
4. (क) ऊँट (ख) अँगूठी (ग) आँख (घ) पूँछ

करें और सीखें

(क)	गायक	(ख)	चिड़िया	(ग)	शेरनी
	नायक		गुड़िया		मोरनी
(घ)	नमक	(ग)	औरत	(च)	रमन
	कमल		धरती		सुमन

पृष्ठ संख्या 20

1. (क) पक्षी (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा
   (ग) पाठशाला (घ) भाववाचक संज्ञा
2. (क) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या मन के भाव का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं।
   (ख) संज्ञा के तीन भेद होते हैं।
   (ग) किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराने वाले शबद व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।

(घ) एक ही जाति या वर्ग के व्यक्तियों या वस्तुओं का बोध कराने वाले शब्द जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।

(ङ) जो शब्द हमें गुण, दोष, दशा, स्थिति, अवस्था आदि का बोध कराते हैं, भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं।

3. (क) समीप प्रेरणा (ख) कुत्ता बिल्ली
(ग) पेन पेंसिल (घ) दिल्ली हरियाणा

4. (क) फूल (ख) सूरज (ग) पर्वत (घ) जानवर

5. (क) पार्क, बच्चे (ख) फलों, मिठास (ग)भारत, देश (घ) शेर, पिंजरा

करें और सीखें

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
गंगा	मित्र	मिठास
भारत	पश	प्रेम
राम	नल	शरारत
लंका		

पृष्ठ संख्या 25

1. (क) दोनों (ख) लेखक (ग) कुम्हारिन (घ) नानी

2. (क) शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति व स्त्री जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं।

(ख) दो भेद हैं। 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग

(ग) शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं।

(घ) जिस शब्द से स्त्रीजाति का बोध होता है उसे स्त्रीलिंग कहते हैं।

(ङ) राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, इंजीनियर सभापति, कुलपति

3.

	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
(क)	राजकुमार	राजकुमारी
(ख)	सेठ	सेठानी
(ग)	घोड़ा	घोड़ी
(घ)	नायक	नायिका
(ङ)	ग्वाला	ग्वालिन
(च)	श्रीमान	श्रीमती

करें और सीखें

पत्नी	दासी	चिड़ा	मोरनी	चुहिया
श्रीमान	मालिन	पड़ोसिन	भाई	लड़की
नाना	स्त्री	बंदर	हथिनी	पिता
गुड़िया	मौसा	लेखिका	फूफा	बालिका
लुहारिन	काकी	शिष्य	घोड़ी	सेठानी
अध्यापिका	कुम्हार	कबूतर	चाची	वर

पृष्ठ संख्या 30

1. (क) छात्राएँ (ख) रोटियाँ (ग) लताएँ

2. (क) संज्ञा के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु की संज्ञा का पता चलता है, उसे वचन करते हैं।
   (ख) जब एकवचन व बहुवचन समान होते हैं तब क्रिया ही हमें वचन की पहचान करवाती है।।
   (ग) जिस शब्द से केवल एक वस्तु अथवा व्यक्ति का बोध होता है।
   (घ) जिस शब्द से एक से अधिक व्यक्ति या वस्तु का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं।

3.

एकवचन	**बहुवचन**
सखी	दिशाएँ
तितली	लड़के
साड़ी	पाठशालाएँ
बूँद	गेंदें
चींटी	सेना
	नदियाँ
	मक्खियाँ

4. (क) बत्तख (ख) मछली (ग) बिल्लियाँ (घ) झूला
   (ङ) पुस्तकें (च) तितलियाँ
5. (क) ताले (ख) बच्चे (ग) कमरे (घ) मछलियाँ
6. (क) बच्चे की तैयारी कर रहे हैं। (ख) घोड़े अस्तबल में खड़े हैं।
   (ग) किताबें मेज़ पर रखी हैं। (घ) लड़कियाँ साइकिल चला रही हैं।
   (ङ) कुत्ते भौंक रहे हैं।

करें और सीखें

(क) कमरे (ख) कहानियाँ (ग) कलियाँ (घ) कन्याएँ
(ङ) महिलाएँ (च) मक्खियाँ

पृष्ठ संख्या 34

1. (क) असत्य (ख) मूर्ख
2. (क) किसी शब्द का उलटा अर्थ बताने वाला शब्द विलोम शब्द कहलाता है।
   (ख) विपरीतार्थक या वितरीत शब्द
3. (क) रात (ख) कच्चा (ग) नया (घ) प्रसन्न
4. (क) निरक्षर (ख) नरक (ग) दुर्भाग्य (घ) विक्रय
   (ङ) पश्चिम (च) मूर्ख

करें और सीखें

(क) पुराना- नया
सुबह- शाम
कठोर-नरम

उचित-अनुचित
अज्ञान-ज्ञान
प्राचीन-नवीन

पृष्ठ संख्या 37

1. (क) दोनों (ख) इन्होंने (ग) संज्ञा के स्थान पर (घ) मेरा
2. (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वो शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

(ख) वाक्यों को सुंदर और रुचिकर बनाने के लिए सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है।

(ग) तुम, आप, तुम्हें, आपका, तुम्हारा, आपके

3. (क) आप (ख) कौन (ग) उसे (घ) वे
(ङ) उसके (च) तुम्हारा

4. (क) उसे भोजन पकाना पसंद है। (ख) उसके परिवार में ज्ञात सदस्य हैं।
(ग) उसने कई दिन में कुछ नहीं खाया ।
(घ) गाय और उसका बछड़ा गौशाला में हैं।

करें और सीखें

1. बच्चे स्वयं करें
2. (क) वे (ख) वह (ग) तुम (घ) आप (ङ) मैं

पृष्ठ संख्या 43

1. (क) दोनों (ख) दो (ग) धातु
2. (क) जिन शब्दों से किसी के काम करने का पता चलता है, उसे क्रिया कहते हैं।
(ख) काम करने वाले को कर्ता कहते हैं। (ग) धातु कहते हैं।
(घ) अकर्मक - जिसमें कर्म नहीं होता ।
सकर्मक- जिसमें कर्म हो।
3. (क) 3 (ख) 5 (ग) 1 (घ) 2 (ङ) 4
4. (क) चला (ख) खेले (ग) पढ़ी (घ) नाचा
5. (क) उड़ (ख) चमक (उग) (ग) धो (घ) खेल

करें व सीखें

बच्चे स्वयं करें

पृष्ठ संख्या 46

1. (क) दोनों (ख) गरम (ग) विशेष्य (घ) संख्या बताने वाला
2. (क) संख्या व सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
(ख) जिस संज्ञा शब्द की विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं।
3.

	विशेषण	**विशेष्य**
(क)	वीर	सिपाही
(ख)	ऊँचा	पेड़
(ग)	कमज़ोर	आदमी
(घ)	सूखी	घास
(ङ)	तेज़	हवा
(च)	मेहनती	बच्चा

4. (क) आठ (ख) मेहनती (ग) गरम (घ) ठंडा
5. (क) काली (ख) बड़ा (ग) सुंदर (घ) छोटा
(ङ) बहादूर (च) ऊँचा (छ) मोटा (ज) मीठा
6. (क) एक किलो (ख) रंग-बिरंगी (ग) ताज़े (घ) दो

करें और सीखें

मेरा विद्यालय बहुत बड़ा है।
उसमें दो तरण ताल हैं।
मेरे विद्यालय में रंग-बिरंगे पुष्प खिले हैं।
मेरे विद्यालय के सभी कमरे हवादार हैं।

पृष्ठ संख्या 50

1. (क) पूर्ण विराम (ख) ?
2. वाक्य में रुकने का संकेत देने वाले
   (क) चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।
   (ख) विराम चिह्नों का प्रयोग अर्थ को समझाने के लिए किया जाता है।
3. (क) आरतती अपनी गुड़िया से खेलती है।
   (ख) नेहा, राहुल, अदिति और अमन एक साथ विद्यालय जाते हैं।
   (ग) तुम दिल्ली कब जाओंगे?
   (घ) शबाश! तुमने तो कमाल कर दिया।
4. (क) सीमा, रेखा और स्वाति खाना पकाते हैं।
   (ख) यह मेरा घर है।
   (ग) तुम्हें शर्म नहीं आती।

करें और सीखें

(क) दो बूढ़े व्यक्ति सैर कर रहे हैं।
बच्चे गेंद से खेल रहे हैं।
बाग में चारों तरफ हरियाली है।
(ख) दो बच्चियाँ नृत्य कर रही है।
दोनों ने रंग-बिरंगे वस्त्र पहने हैं।
लड़कियों ने बालों को रबर से बाँधा हुआ है।

पृष्ठ संख्या 53

1. (क) परमेश्वर (ख) विद्यालय (ग) दोनों (घ) चपला (ङ) दोनों
2. (क) समान अर्थ बताने वाले शब्दों को पर्यायवाची कहते हैं।
   (ख) समानार्थक
3. (क) पुष्प (ख) सूरज (ग) बादल
   सुमन दिनकर जलज
   (घ) पक्षी (ङ) पेड़ (च) नदी
   खग वृक्ष सरिता
4. (क) जंगल (ख) वानर (ग) बादल (घ) सखा (ङ) चिट्ठी लिखी

करें और सीखें

दिन-वार	बादल-घन	वायु-हवा
आकाश-गगन	आग-ज्वाला	नदी-सरिता
पृथ्वी-धरती	पक्षी-खग	कपड़ा-वस्त्र
शेर-सिंह	जल-नीर	पहाड़-पर्वत

पृष्ठ संख्या 57

1. (क) आज्ञाकारी (ख) दर्दनाक (ग) शैव (घ) पांडुलिपि (ङ) कारखाना
2. (क) जो शब्द अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग होते हैं।
   (ख) भाषा को सुंदर बनाने के लिए इनका प्रयोग होता है।
3. (क) (4) (ख) (3) (ग) 5 (घ) (2) (ङ) (1)
4. (क) जो साथ पढ़ता है। (ख)शिक्षा (विद्या) ग्रहण करने वाला
   (ग) जहाँ बीमार जाते हैं (जहाँ रोगियों का इलाज होता है।)

करें व सीखें

बच्चे स्वयं करें

(क) जो बीमार को दवा देता है। (ख) जो बच्चों को पढ़ाता है।
(ग) जो गहने बनाता है।

पृष्ठ संख्या 60

1. (क) कई अर्थ देने वाला (ख) पहले (ग) दोनों (घ) चिट्ठी
2. (क) एक से अधिक अर्थ देने वाले शब्दों को अनेकार्थी शब्द कहते हैं।
   (ख) हाथ, टैक्स (ग) जलना, पानी
3. (क) चिड़िया के पर सुंदर हैं।
   मेज़ पर पेंजिस रखी है।
   (ख) मेरे बाएँ कर के नाखून बड़े-बड़े हैं।
   मुझे गृहकार्य करना है।
   (ग) पेड़ से पत्र गिर गया।
   कल मेरे मामा का पत्र आया था।

करें और सीखें

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
जल	एक दिशा	हाथ	पंख
जलना	पहले	करना	ऊपर

पृष्ठ संख्या 64

1. (क) पुस्तक (ख) स्पष्ट (ग) प्रकृति (घ) परीक्षा
2. (क) अशुद्ध शब्दों को शुद्ध रूप में लिखना अशुद्धि शोधन कहलाता है।
   (ख) अशुद्ध उच्चारण व अशुद्ध वर्तनी
   (ग) व्याकरण के नियमों की जानकारी व शुद्ध उच्चारण द्वारा इन्हें दूर किया जाता है।
3. (क) विद्यालय (ख) समाप्त (ग) वाक्य (घ) संदेह
   (ङ) किसान (च) आज़ाद
4. (क) आपकी (ख) लंबे (ग) आपके (घ) जा
5. (क) कुत्ता भौंकता है। (ख) तुम और मैं दोनों मित्र है।
   (ग) गाय का गर्म दूध पीयो (घ) उसकी किताब मेरे पास है।
   (ङ) मोहन की गाय बीमार है।

करें और सीखें

आकाश	जवाब	सूरज
कृष्ण	बारात	कृपा
पत्नि	ऊपर	धर्म

पृष्ठ संख्या 69

1. (क) ललचा जाना (ख) बहुत तेज़ भागना
   (ग) बहुत प्रसन्न होना
2. (क) शब्दों का विशेष अर्थ प्रकट करने वाला वाक्य मुहावरा कहलाता है।
   (ख) भाषा को सुंदर व आकर्षक बनाने के लिए मुहावरों का प्रयोग किया जाता है।
3. (क) मुँह में पानी आ गया (ख) लाल-पीला होता
   (ग) हवा से बाते करती (घ) दिन-रात एक कर
   (ङ) पानी-पानी हो
4. (क) बहुत भूख लगना- स्कूल से आते ही छोटी सी प्रेरणा के पेट में चूहे कूदने लगे।
   (ख) साफ मना कर देना- मैंने मित्र से कॉपी माँगी पर उसने टका सा जवाब दे दिया।
   (ग) बहुत खुश होना- जब में अच्छे अंक लाता हूँ तो माँ घी के दीए जलाती है।
   (घ) मूर्ख बनाना- सोहन मोहन को उल्लू बनाकर अपना काम निकलवा लेता है।

करें और सीखें

(क) हवा से बाते करना (ख)घी के दीये जलाना
(ग) आँखें का तारा (घ) भीगी बिल्ली बन जाना

पृष्ठ 71

1. (क) शाम के समय (ख) फल ने
   (ग) बीज (घ) धरती के नीचे से
2. (क) सेना की टुकड़ियाँ और स्कूल कॉलेज के विद्यार्थी भाग लेते हैं।
   (ख) सेना के तीनों अंक (ग)गणतंत्र दिवस की परेड
   (ख) (1) हाथ बँटाना (2) काका (3) काकी
   (ग) 1. (1) प्रदूषण (2) ती (3) दोनों (4) दूषित
2. (1) मनुष्य की सारी उपलब्धियों को
   (2) उद्योगों के कारण हवा गंदी हो गई है।
   (3) हम सब को एकजुट होकर अपना सहयोग देने की आवश्यकता है।
   (4) तरह-तरह के उद्योगों के कारण हवा गंदी हो गई है।

पृष्ठ संख्या 77

मेरा घर

मेरा घर रोहिणी में है। हम द्वितीय तल पर रहते हैं। मेरे घर में माता-पिता, दादा-दादी और छोटी बहन मिलाकर हम छह सदस्य हैं। मेरे घर में कुल चार कमरें, एक रसोईघर, दो स्नानघर तथा एक स्टोर रूम है। सभी कमरे हवादार व रोशनी वाले हैं। सुबह सुबह सूर्य की प्रथम किरण घर में प्रवेश करती है। दादी ने घर के छोटे से हिस्सैस को मंदिर बनाया है जहाँ हम सबस मिलकर पूजा करते हैं। मुझे अपना घर सबसे अच्छा लगता है। हम सब मिल जुलकर प्यार से रहते हैं।

पालतू पशु- गाय

मेरे दादा ने घर में गाय पाल रखी है। हम छुट्टियों में गाँव जाते हैं तो बहुत आनंद आता है। दादा जी हमें भूरी (गाय) की देखभाल करना सिखाते हैं। वे भूरी को सुबह-सुबह उठकर हरा घास खाने को देते हैं। फिर उसके थनों को धोकर उसका दूध निकालते हैं। गाय भूरी व सफेद रंग की है। उसके बड़े-बड़े गोलाकार सींग हैं। जब हम खाना खाने लगते हैं तो दादा जी हमें पहली रोटी भूरी को खिलाने के लिए कहते हैं। भूरी हम बच्चों को पहचानती हैं वह जोर-ज़ोर से भाँ-भाँ की आवाज़ निकाल कर हमें धन्यवाद देती हैं गाँव में भूरी के दूध से बना दही और माखन हमें अच्छा लगता है। भूरी के कारण हमारी छुट्टियाँ कब खत्म हो जाती हैं हमें पता ही नहीं चलता।

पृष्ठ संख्या 82

1. आदरणीय चाचा व चाची जी,

   सादर प्रणाम।

हम सब यहाँ कुशलता से हैं आशा करते हैं आप भी ठीक होंगे। बहुत दिन से आपका पत्र नहीं आया था तो मैंने सोचा दीपावली भी आ रही है। आप सभी को दीपावली की शुभकामनाएँ भी दे देते हैं और हालचाल भी जान लेते हैं। दादा व दादीजी आपकों याद कर रहें हैं। आप दिल्ली कब आएँगे लिखिए तथा सोनू व मोनू को हम सब की तरफ से प्यार दीजिए। एक बार फिर से दीपावली की शुभकामनाएँ। आप के पत्र की प्रतीक्षा में----

आपका भतीजा,

समीप वासु

2. सेवा में

   प्रधानाचार्य जी,

   केंद्रीय विद्यालय,

   दिल्ली।

   विषयः अवकाश हेतु पत्र।

मान्यवर,

मैं कक्षा तीसरी का छात्र वरुण आपको तीन दिन के अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र लिख रहा हूँ। मेरे बड़े भाई का विवाह 30 जनवरी, 20.. को होना निश्चित हुआ है। इसलिए मुझे 29 जनवरी से लेकर 31 जनवरी, 20.. तक अवकाश प्रदान करने की कृपा करें। छुट्टियों के पश्चात आते ही मैं अपना अधूरा कार्य पूर्ण करके अपनी कक्षा-अध्यापिका को दिखा दूँगा। आशा है और मुझे अवकाश अवश्य प्रदान करेंगे।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

वरुण चावला

3. सेवा में,

   प्रधानाचार्य जी,

   विद्या भारतीय स्कूल,

   दिल्ली।

   विषयः बस बदलने हेतु प्रार्थना-पत्र।

मान्यवर,

मैं कक्षा तीसरी-'क' का छात्र हूँ और स्कूल बस पी-25 में पश्चिम विहार जाता था। पिछले महीने हमने घर बदल लिया है। अब मुझे पी-21 में जाना होगा क्योंकि इसी नं0 की सब रोहिणी सेक्टर-15 जाती है। आप से अनुरोध है आप मेरी समस्या को समझकर मुझे बस बदलने की इज़ाजत देंगे।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

गौरव चावला

4. (क) सेवा में

निरीक्षक महोदय, (नगर निगम अधिकारी)

मुख्य नगर निगम कार्यालय,

दिल्ली।

विषयः आवारा पशुओं की जानकारी हेतु पत्र।

मान्यवर,

मैं समयपुर बादली का एक सभ्य नागरिक हूँ और अपने क्षेत्र में आवारा घूमते पशु कुत्ते और गायों से परेशान हूँ। इनके कारण कई बार दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं। इन कुत्तों ने बच्चों को काटा हैं। गाय कभी-कभी सब्ज़ी लेकर आओ तो पीछे पड़ जाती हैं। बच्चों का खेलना, बुजुर्गों का टहलना बंद हो गया है। आपसे अनुरोध है इन्हें यहाँ से उठाकर ले जाएँ ताकि हमारा मोहल्ला सुरक्षित हो सके।

धन्यवाद।

भवदीय (सामान्य नागरिक)

विक्रम चावला

(ख) सेवा में

प्रधानाचार्य जी,

जैन भारतीय स्कूल,

दिल्ली।

विषयः दंड शुल्क माफ़ कराने हेतु पत्र।

महोदय,

मैं कक्षा तीसरी का छात्र हूँ कल भोजन अवकाश के समय बॉल से खेलते समय मेरी बॉल (गेंद) कक्षा की खिड़की पर जा लगी जिससे वह टूट गया। कक्षा-अध्यापिका ने मुझे 500 रुपए का दंड भरने को कहा है। श्रीमान जी मैंने व मेरे साथियों ने ऐसा जान बूझकर नहीं किया। आप हमें क्षमा कर दें। मेरे पिता जी साधारण सी नौकरी करते हैं व दंड भरने में असमर्थ हैं। मैं आपसे माफी माँगता हूँ और विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में ऐसी गलती नहीं करूँगा।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

यतिन

(ग) आदरणीय पिता जी,

सादर प्रणाम।

पिता जी, आप कैसे हैं? मैं यहाँ कुशल से हूँ और आप सबको याद करता हूँ। पिताजी मेरे तीसरी कक्षा के पेपर हो गए और मैंने अच्छे अंकों से पास करके चौथी कक्षा में प्रवेश ले लिया है। मेरे अध्यापक ने चौथी कक्षा की पुस्तकें व कॉपियाँ लेने के लिए कहा है। जिसके लिए मुझे रू0 3000 की आवश्यकता होगी आपसे अनुरोध है कि जल्द से जल्द पैसे भिजवा दें ताकि मैं चौथी कक्षा की पढ़ाई आरम्भ कर सकूँ। घर में माता जी को चरण स्पर्श तथा छुटकी को प्यार दीजिएगा। मैं छुट्टियाँ होते ही आपसे मिलने आऊँगा।

आपका पुत्र,

समीप वासु

पृष्ठ संख्या 87

1. कबूतर, मधुमक्खी, पत्ता, पत्ते,

   (क) तालाब, धन्यवाद

   बहेलिया, निशाना, शिकारी, कबूतर, मधुमक्खी, जान

   (ख) गर्व, धीमी, खरगोश, दौड़, खरगोश, रह, आराम, पहुँच, जीत

2. एक दरज़ी था। उसका एक मित्र हाथी था जो उसके पास रोज़ आता था। दरज़ी उसे खाने को कुछ न कुछ अवश्य देता था। कभी केला कभी कोई और फल। एक दिन दरजी गुस्से में था तभी हाथी आया। दरजी ने गुस्से में आकर हाथी की सूँड में सुई चुभा दी। हाथी को भी गुस्सा आ गया। उसने अपने सूँड में पानी भरा और दरजी के ऊपर डाल दिया इस तरह दरजी की दूकान पर रखे सारे कपड़े भी खराब हो गए। दरजी बहुत पछताए। लेकिन अब पछताने का कोई लाभ नहीं था।

   शिक्षाः हमें मूक प्राणियों के साथ दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए।

   जैसे को तैसा

अलंकार हिंदी व्याकरण

Interactive Resources

- Download the free app 'Green Book House' from google play.
- Free online support available on 'www.greenbookhouse.com'.
- Ample teacher's support available.

GREEN BOOK HOUSE
(EDUCATIONAL PUBLISHER)
F-214, Laxmi Nagar, Mangal Bazar, Delhi-110092
Phone : 9354766041, 9354445227
E-mail : greenbookhouse214@gmail.com
Website: www.greenbookhouse.com